

DPN 6116

Title : महाप्रत्यंगिरा MAHĀPRATYANGIRĀ

Run. No. 6807

Cat. No.

Micro. No.

Subject Dharani

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 24 x 8

Folios 8

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

फणीन्द्र रत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phanindra Ratna

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Bajracharya.

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

*
* ॐ नमो भगवते आर्य महाप्रत्यंगिरायै ॥ एवंमया श्रुत मे कस्मिन् समये भगवान्
देवेषु त्रयजिंशेषु विहरति स्म ॥

महाप्रत्यगिरा

ॐ नमो गवत्ये आद्यमस्तयद्यमीनायेधविदंमयाशु नमकस्मी समयह
गाता नू देवेषूयगिं छषविह नमिस्म ॥ सर्वमोया देवसरायी मरुगातिं हरिक
संधन सार्द्धं मरुगा चवावि सखी संधन द्वाक न देवाना मेधे न सार्द्धं ॥ नमस्व लूतवा
नयुरुय चवासन नीषया ॥ ५ ॥ वव वलाकि तं ना मम मविह मा च ८ मम न
नवसगा यनस्य रगा वनः ॥ ६ ॥ वम आदि सा नम युयानि तीक्ष्ण लनीस्म ॥ ॥

ॐ

५

0

CMS

5

10

15

20

25

नदी कल बाय, म हां का बाय ॥ उँ नमो नीय च अच नमो च वि जा यन क बा
य उँ अविमर्षि क का स्मि च म हा हा म सा न वा सि ना य ॥ उँ नमो माहि ग हा दि
ग म हा ना य ॥ उँ नमो र ग व ल्य रु थ ४ ग न क च ल्य ॥ उँ नमो र ग व ल्य य १
र्य म क ल ल्य ॥ उँ नमो र व ल्य व ज क ल ल्य ॥ उँ नमो र व ल्य म गी क च ल्य ॥ उँ न
मो र ग व ल्य बा ज क ल ल्य ॥ उँ नमो र ग व नं क म क ल ल्य ॥ उँ नमो र ग व नं

ग १

च ल क ल ल्य ॥ उँ नमो र ग व नं ना ग क ल ल्य ॥ उँ नमो र ग व नं क माल क च ल्य
॥ उँ नमो र ग व नं बा ग क ल ल्य ॥ उँ नमो र ग व नं द ड ड ल स न य रु च न बा ज
य न थ ग ना या इ रु नं स म्प र्ण व र्णा य ॥ उँ नमो र ग व नं अ मी ना रा य रु थ
ग ना या इ रु नं स म्प र्ण व र्णा य ॥ उँ नमो र ग व नं अ ऊ त्या य रु थ ग ना या इ
रु नं स म्प र्ण व र्णा ॥ उँ नमो र ग व नं व ज व च सा ग च मा दि न रु थ ग ना या इ

वेङ्कट

रुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं सेवकं मृचैर्ययु रचा जाय रुक्म गाना
 या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं अमा धीरि द्विय रुक्म गाना या इरुक्मं
 ममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं सुप्रथित सा चन्द्रा जाय रुक्म गाना या इरुक्मं संममं
 वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं यद्वा रुचरा जाय रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया
 ॥ उँ नमो राग वनं विद्य विन रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग

वन विविन रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं विविन जुवा य रु
 क्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं कर्कश जाय रुक्म गाना या इरुक्मं
 संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं कनक म न रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ
 नमो राग वनं का म या य रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं
 क म हा य रुक्म गाना या इरुक्मं संममं वृद्धाया॥ उँ नमो राग वनं चत चद्रा य रुक्म

ग नाया इ रुक् सम्रुं द ह्यया ॥ ॐ नमो रग व न च र्त्तै लो रु मा य रु था ग ना या इ रु
 न सम्रुं द ह्यया ॥ ॐ नमो रग व न सम रु र ज य रु था ग ना या इ रु न सम्रुं द ह्य
 या ॥ ॐ नमो रग व न ध र्म क रु य र बा ज य रु था ग ना या इ रु न सम्रुं द ह्यया ॥ ॐ
 नमो रग व न वे चो च न र य व म्बु बा ज य रु था ग ना या इ रु न सम्रुं द ह्यया ॥ ॐ नमो
 रग व न वि क सि न क म प्रो ल य च ग ध क रु बा ज रु था ग ना या इ रु न सम्रुं द ह्यया ॥

॥ ब्रह्मा न प्र ह्म स्य रु मा र ग व नी स र्व ग थ ग मा र्ही व सि ना क य शो ना मा य बा जि ना
 य र्त्तै जि बा य व का मी स र्व क री क च रु वि ग रु वि वा द य स म नी ॥ स र्व रु न ग
 रु नी वा च ह्यी स र्व य च वि आ श्रु द नी ॥ अ का ल मृ त्यु य री श य नी ॥ स र्व स र्व व
 ध न मा रु ह्यी ॥ स र्व द र्शै ल द र्श दू ॥ ल म्ब ना स नी ॥ स र्व रु दि नी ग र नं रु नी ॥ य रु
 बा रु स ग रु नां वि धुं स न क री ॥ धा च द द्वा च वि ना व नी वि ष स रु म्ब द क उ ज्ञा

दनकरी॥ ह वै दूर्गगीमाली चनी॥ या व द द्वा व का च म च द य चि द्वा य द क
 ची॥ अ य चा जि ना म हा धा वा, म हा न जा म हा च भु, म हा स ना, म हा दी की म
 हा व चा॥ म हा जा चा, म हा मा चां, म हा या धु ल वा सि नी॥ आ र्थ मा चा ह क दी खे व १
 ज या ह्व ना म पी द्ध ना॥ य द रा व ज चि द्वा च सा चा ह्वे वा य चा जि ना॥ व ज नु
 वि द्वा चा जी द्वा ना वे द व य जि ना, हो म च या म हा ह्व ना, जाला या धु ल वा सि नी

॥ आ र्थ ना चा म हा व चा, अ म ला व ज ह व रा ह्वे व, को माली व ज क लं ठा ना, व ज ह ला म
 हा वि द्वा, का क न मालि क ह मा य रा, व लं वे चा च ना ह्वे व, लु था ग ना कू चा पी चा ४
 वि द्वा चा वि द्वा रि का॥ व ज मा ला, म हा मा या, द वि च क न क य॥ म हा च ना ध्व
 खे ना, च क म ला न ना वि नी ना द्वा न वी ली च, आ ल म हा द वी य रा॥ ॐ ह्य ना मू डा
 ग नाः ह मा ह म ना ध्व, सर्व च क्री क च व रु म म सर्व ह ला ना अ न च सर्व व ह्वे वा वि

[illegible][illegible]

४

五

चरया द्वा। अमीरुया द्वा। उदकरया द्वा। विषमम्, हाम्, यचचक्रदसिक्।
 अहानी डाची डा। अकाचमत्य। धचवीकम् अरुया द्वा ॐ नि॥ चाक्ररुया द्वा प्रिम
 गरुया द्वा नागविष्, नकवा लुका, सुयर्कक। सर्वत्युदवाय सैर्मायायां अरुय न
 ॥ सर्ववर्गस्य सर्व ॥ दवनागयक्रचाक्रसगधर्वा सुचगचकीचचमहाचग
 मनश्चाज्मनश्चात्यः रुगधनयीक्षचक्रसुहृत्त्यः युगनकठयुगनः रुद

च४

उमादकाया अयसमालस्यः अकाचकजाकीनी, कठजकीनी, कठवासि
 मी, चवनीजामक, हाकनी अहनचातलिका वमीका अलम्बन॥ कठकमात्र
 सिना, सर्वगहाग। अजाहाचीव्याः मजाहाचीव्याः चविचाहाचीव्याः मात्रा
 हाचीव्याः मंदाहाचीव्याः मजाहाचीव्याः जीवीनाहाचीव्याः वल्माहाचीव्याः
 ॥ माल्याहाचीव्याः ॥ गन्धाहाचीव्याः ॥ धूयाहाचीव्याः ॥ रुलाहा

श्री ध्याः नमः दा श्री ध्याः आ हृत्पादा श्री ध्याः पर्यादा श्री ध्याः विद्यादा श्री ध्याः
 मृगादा श्री ध्याः स्तनादा श्री ध्याः हृत्पादा श्री ध्याः सिंदानकादा श्री ध्याः वा
 दादा श्री ध्याः विचित्रादा श्री ध्याः आहृत्पादा श्री ध्याः हृत्पादा श्री ध्याः विद्या
 दादा श्री ध्याः श्री श्री दा श्री ध्याः ॥ न न वी म म सर्व सत्ता नां ॐ कृणां विद्याष्टि दयामा
 सीना कीलया मी वशना ॥ य श्री ज क कृणां विद्याष्टि दयामा सी नां कीलया मी व